उत्तराखंड में हताहत-मुक्त लोकसभा चुनाव की तैयारी

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक, **लोकसभा चुनाव** की तैयारियाँ चल रही हैं। उत्तराखंड की सभी पाँच लोकसभा सीटों पर **19 अप्रैल 2024 को एक ही चरण में मतदान** होना है।

मुख्य बिंदु:

- अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने **आपातकालीन सेवा के लिये दो हेलीकॉप्टरों की व्यवस्था** की है और मतदान हताहत-मुक्त होगा जिसमें **कोई आपातकालीन स्थिति उत्पन्न नहीं** होगी।
- पहाड़ी राज्य में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये राज्य भर में 11,000 से अधिक मतदान केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं।
    - **वोटों की गिनती 4 जून 2024 को** होनी है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव

- **परिचय:**
    - यह अवधारणा एक ऐसे परिदृश्य की कल्पना करती है जहाँ प्रत्येक पाँच वर्ष पर सभी राज्यों के चुनाव **लोकसभा** के आम चुनावों के साथ-साथ संपन्न होंगे
    - विचार यह है कि चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाए और चुनावों की आवृत्ति को कम किया जाए, जिससे समय तथा संसाधनों की बचत होगी
- **पृष्ठभूमि:**
    - यह विचार **वर्ष 1983 से ही अस्तित्व में** है, जब **निर्वाचन आयोग** ने पहली बार इसे पेश किया था। हालाँकि वर्ष 1967 तक भारत में एक साथ चुनाव आयोजित कराना एक सामान्य परिदृश्य रहा था
        - लोकसभा के प्रथम आम चुनाव और सभी **राज्य विधानसभाओं के चुनाव 1951-52** में एक साथ आयोजित कराए गए थे
        - यह अभ्यास वर्ष 1957, 1962 और 1967 में आयोजित अगले तीन आम चुनावों में भी जारी रहा।
    - लेकिन वर्ष 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय-पूर्व विघटन के कारण यह चक्र बाधित हो गया
        - वर्ष 1970 में स्वयं लोकसभा का समय-पूर्व विघटन हो गया और **वर्ष 1971 में नए चुनाव** आयोजित कराए गए। इस प्रकार, वर्ष 1970 तक केवल प्रथम, द्वितीय और तृतीय लोकसभा ने पाँच वर्ष का निर्धारित कार्यकाल पूरा किया

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/preparation-for-casualty-free-lok-sabha-polls-in-uttarakhand